हमारी दुनिया

भाग - 3

कक्षा - 8

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार सरकार द्वारा विकसित

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड,पटना

निदेशक (प्राथमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत
पाठ्य पुस्तकों का निःशुल्क वितरण।
क्रय-विक्रय दण्डनीय अपराध।

सर्व शिक्षा अभियान : **2013-14, 16,68,659**

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य पुस्तक भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-1 द्वारा प्रकाशित तथा पुष्कर प्रिंटींग वर्क्स, पशुराम कॉलोनी संदलपुर पटना-6 द्वारा एच०पी०सी० के 70 जी०एस०एम० टेक्स्ट पेपर तथा एच०पी०सी० के 130 जी०एस०एम० (वाटर मार्क) ह्वाईट आवरण पेपर पर कुल 16,68,659 प्रतियाँ 24 x18 सेमी. साईज में मुद्रित।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल, 2009 से प्रथम चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया है। इस क्रम में शैक्षिक सत्र 2010-11 के लिए वर्ग I, III, VI एवं X की सभी भाषायी एवं गैर भाषायी पाठ्य-पुस्तकें नए पाठ्यक्रम के अनुरूप लागू की गईं। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन0 सी0 ई0 आर0 टी0, नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस0 सी0 ई0 आर0 टी0, बिहार, पटना द्वारा विकसित वर्ग I, III, VI एवं X की सभी अन्य भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकों बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की गईं। इस सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए शैक्षिक सत्र 2011-12 के लिए वर्ग II, IV एवं VII तथा शैक्षिक सत्र 2012-13 के लिए वर्ग V एवं VIII की नई पाठ्य-पुस्तकें बिहार राज्य के छात्र/छात्राओं के लिए उपलब्ध करा दी गईं। साथ-ही-साथ वर्ग I से VIII तक की पुस्तकों का नया परिमार्जित रूप भी शैक्षिक सत्र 2013-14 के लिए एस0 सी0 ई0 आर0 टी0, बिहार, पटना के सौजन्य से प्रस्तुत किया जा रहा है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री श्री पी0 के0 शाही एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, श्री अमरजीत सिन्हा के मार्ग दर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एन0 सी0 ई0 आर0 टी0, नई दिल्ली तथा एस0 सी0 ई0 आर0 टी0, बिहार, पटना के निदेशक के भी हम आभारी हैं जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सादर स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

जे०के०पी० सिंह, भा०प्र०से०
प्रबन्ध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०

आमुख

प्रस्तुत पुस्तक हमारी दुनिया भाग-3, कक्षा-8 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 में दिए गये निर्देशों के आलोक में बिहार पाठ्यचर्या की रूप रेखा 2008 के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है । पाठ्यचर्या में दिए गये पाठ्यक्रम के अनुरूप चरणबद्ध कार्यशालाएँ आयोजित करके विभिन्न शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों एवं साधन सेवियों की देख रेख में पाठ्य पुस्तक को तैयार किया गया है । पुस्तक निर्माण के क्रम में यह ध्यान रखा गया कि बच्चों की क्षमता और कौशल का विकास हो । साथ ही साथ, उनमें तथ्यों की अवधारणात्मक समझ विकसित हो, ना कि रटने की प्रवृत्ति। पुस्तक में यह प्रयास किया गया है कि बच्चों में प्रांत राज्य, देश और उसके नागरिकों की मूलभूत जरूरतों, उसके संसाधनों की माँग और आपूर्ति की शृंखला की समझ विकसित हो तथा वे संसाधनों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील हो । इसके अतिरिक्त वृहत्तर भारत की समझ विकसित होने के, साथ साथ ही अंतर्राष्ट्रीय जगत से भी परिचित हो । पाठ्य पुस्तक की सभी इकाइयों को रोचक और अनौपचारिक बनाने की कोशिश की गई है जो उसके दैनिक जीवन व अनुभवों से जुड़ा हुआ प्रतीत हो । पुस्तक लेखन में यह नवाचार है जो बच्चों को पुस्तक अध्ययन के प्रति और उन्मुख करेगा जो पुस्तक निर्माण का एक अभीष्ट है ।

पाठ्य-पुस्तक में अभ्यास और क्रियाकलाप भी इस तरह के रखे गये हैं कि वर्ग-कक्ष के अन्दर और बाहर गतिविधियाँ की जा सकें और समझ एवं अनुप्रयोग में दक्षता की प्राप्ति हो सके। संक्षेप में कहा जाये तो पुस्तक को उत्कृष्ट, सहज और सरल बनाने का प्रयास किया गया है । लेकिन इसकी सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब यह पाठ्य-पुस्तक शिक्षक और छात्र के लिए उपयोगी होगी । साथ ही अध्ययन अध्यापन का यह मूर्त माध्यम जब तक छात्र और शिक्षक के विचारों से नहीं गुजरेगा, पुस्तक की उपयोगिता शून्य रहेगी । पुस्तक चाहे लाख उत्कृष्ट क्यों न हो, आवश्यकता इस बात की है कि पुस्तक हाथ में आते ही इसे पढ़ें और समझें । पुस्तक में निहित गतिविधियों को कक्षा में छात्र के साथ करने का प्रयास करें। इतना ही नहीं, प्रस्तुत पुस्तक के प्रति अपने विचार भी हमें प्रेषित करें ताकि अपने सुझावों और विचारों से इसे और भी उत्कृष्ट और त्रुटिरहित बनाया जा सके ।

इस पाठ्य पुस्तक के संशोधित अंक को तैयार करने में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् एवं यूनिसेफ का सराहनीय योगदान रहा है । पाठ्य-पुस्तक की पांडुलिपि राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् पटना के संकाय सदस्यों, विषय विशेषज्ञों, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली के साधन सेवियों के साथ गहन विमर्श के उपरांत तैयार की गई है । विद्या भवन सोसाइटी, उदयपुर का भी प्रशंसनीय सहयोग प्राप्त हुआ है । इसके अतिरिक्त अनेक पुस्तकों और संदर्भ व्यक्तियों का भी मार्गदर्शन इसमें समाहित है । इन सभी शिक्षकों विशेषज्ञों/संस्थाओं के प्रतिनिधियों को इस पुनीत कार्य के लिए हम आभार व्यक्त करते हैं । पाठ्य-पुस्तक में संशोधन, परिमार्जन, संवर्धन की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है । आशा करता हूँ कि पुस्तक को संवर्धित करने में आपके बहुमूल्य सुझाव अवश्य प्राप्त होंगे । यह पुस्तक बच्चों में भूगोल विषय के प्रति रूचि बढ़ाएगी और अध्ययन के लिए उन्हें उन्मुख करेगी । साथ ही 'समझे-सीखें' शृंखला को आगे बढ़ाते हुए गुणात्मक शिक्षा के उद्देश्य की सम्प्राप्ति में यह पाठ्य पुस्तक एक मील का पत्थर साबित होगी ऐसा मैं आशा ही नहीं विश्वास करता हूँ।

आपके बहुमूल्य सुझावों व टिप्पणियों की हमें अपेक्षा है।

शुभकामनाओं सहित

हसन जावेद

निदेशक

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण

परिषद् बिहार

दिशा बोध-सह-पाठ्य पुस्तक विकास समन्वय समिति

- **श्री राहुल सिंह,** राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **श्री रामशरणागत सिंह,** संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, विशेष कार्य पदाधिकारी, बी॰टी॰बी॰सी॰, पटना
- **श्री अमित कुमार,** सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार सरकार
- **डॉ. श्वेता सांडिल्य,** शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, पटना
- **श्री हसन वारिस,** निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **श्री मधुसूदन पासवान,** कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **डॉ. एस.ए. मुईन,** विभागाध्यक्ष, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

पुस्तक विकास समिति

विषय विशेषज्ञ	-	1.	प्रो॰ (डॉ॰) पूर्णिमा शेखर सिंह, प्रोफेसर, भूगोल विभाग ए॰ एन॰ कॉलेज, पटना (बिहार)
		2.	डॉ॰ सत्यनाम सिंह, वरीय व्याख्याता, डायट, दिलशाद गार्डेन (दिल्ली)
		3.	प्रो॰ (डॉ॰) संजय कुमार, विभागाध्यक्ष स्नातकोत्तर भूगोल विभाग, महाराजा कॉलेज, आरा (बिहार)
लेखक सदस्य		1.	श्री जीतेन्द्र कुमार, सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय धनरॉव, नगर प्रखंड, गया
		2.	श्री अरविन्द कुमार, साधन सेवी, प्रखंड संसाधन केन्द्र, नगर निगम, गया
		3.	श्री मनोज कुमार प्रियदर्शी, सहायक शिक्षक, प्रा॰ वि॰ मुर्गिया चक झुग्गी झोंपड़ी, फुलवारी शरीफ, पटना
		4.	डॉ॰ इन्दिरा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, हेमवती नन्दन गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
समन्वयक		1.	डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद मंडल, व्याख्याता, रा॰ शि॰ शो॰ एवं प्र॰ प॰ बिहार, पटना
		2.	डॉ॰ रीता राय, व्याख्याता, रा॰ शि॰ शो॰ एवं प्र॰ प॰ बिहार, पटना
समीक्षक	-	1.	प्रो॰ डॉ॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग पटना विश्वविद्यालय, पटना
		2.	प्रो॰ डॉ॰ किरण कुमार मलतियार, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग बी. एन. कॉलेज, पटना
मानचित्र एवं रेखांकन कार्य			श्री उदय नारायण सिंह, नारायण इन्फोटेक, पटना
आभार	-		यूनिसेफ, बिहार

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
इकाई 1.	संसाधन	9-55
	1.1 (क) भूमि, मृदा एवं जल संसाधन	18-32
	1.2 (ख) वन एवं वन्य जीव संसाधन	33-39
	1.3 (ग) खनिज संसाधन	40 47
	1.4 (घ) ऊर्जा संसाधन	48-55
इकाई 2.	भारतीय कृषि	56-68
इकाई 3.	उद्योग	69 100
	3.1 (क)लौह इस्पात उद्योग	77-85
	3.2 (ख)वस्त्र उद्योग	86-95
	3.3 (ग) सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग	96 100
इकाई 4.	परिवहन	101-111
इकाई 5.	मानव संसाधन	112-120
इकाई 6.	एशिया – एक संक्षिप्त अध्ययन	121-136
इकाई 7.	आँकड़ों का निरूपण	137-143

◆◆◆